राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 5 फरवरी • 2024

केसानों की शंकाओं का किया समाधान

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

बर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के
संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय
में फसल अवशेष प्रवंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता
म का आयोजन किया गया। इस मौके पर किसानों ने वढ़
र हिस्सा लिया एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा वागवानी से
त अपनी शंकाओं का समाधान भी किया।

ार्यक्रम में केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने कृषकों
ताया कि किसान
को खेतों में मिलाएं
वेत की उर्वरा शक्ति
एवं अपनी पराली में
ुल भी आग न
। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों
कसान होता है। इस अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ.अजय
सिंह ने वताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन
ाम करते है। जो खेत की उर्वरा शक्ति वढ़ाने के साथ-साथ उस
ादित उपज की गुणवत्ता को भी वढ़ाते है।

सी क्रम में वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा द्वारा वताया
के फसल अवशेष प्रवंधन की कई मशीनें है जो पराली को
ी से खेत में मिला सकते है तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल
ामय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल वोई जा सकती है।
शीनें हैप्पी सीडर, सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है। कार्यक्रम में

> सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सीएसए कृषि विश्विद्यालय में अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत हुआ ग्राम स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम। फोटो : एसएनबी

डॉ.निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह वनाने के लिए प्रेरित किया जवकि डॉक्टर राजेश राय ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में गांव के किसानों ने वढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा वागवानी से संवंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रवंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नही लगाएंगे। यहां प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार

04 फरवरी, 2024

अंक -175

फसल अवशेष प्रबंधन योजनान्तर्गत हुआ ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है। कार्यक्रम में डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। जबकि डॉक्टर राजेश राय ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी।इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई । जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत,छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

अंक-325 कानपुर, सोमवार 5 फरवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

नपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता

करेंगे धन्यवाद ज्ञापित

यथार्थ रूप से परिलक्षित करने वाले सभी सदनों से ध्यनवाद ज्ञापित करना है बैठक में तय किया गया कि 10 फरवरी से 26 फरवरी तक महिला शक्ति वंदन के विभिन्न कार्यक्रम जिला से लेकर विधानसभा स्तर तक कार्यक्रम होंगें जिसमे सभी जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद विशेष रूप से सम्मलित होंगे 5 फरवरी को क्षेत्र के सभी 17 जिलों मे महिला शक्ति वंदन की कार्यशालाएं आयोजित होंगी जबकि गांव चलो अभियान 6 फरवरी को सभी जिलों मे एक साथ प्रारम्भ होगा जो 11 फरवरी तक चलेगा।

कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है इस अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं इसी क्रम में वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है कार्यक्रम में डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया जबकि डॉक्टर राजेश राय ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत,छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम में पराली ना जलाने की दी सलाह

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में रविवार को फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि किसान खेतों में पराली मिलाकर खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं। उन्होंने किसानों को अपनी पराली न जलाने की सलाह दी। जिससे पर्यावरण प्रदूषित न हो।।इस अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उसमें उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर, सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ.राजेश राय ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें किसानों ने फसल अवशेषों को आग न लगाने की शपथ ली। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत, छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 214 कानपुर, सोमवार 05 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम पांडेय निवादा में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।

कार्यक्रम में डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। जबकि डॉक्टर राजेश राय ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी।इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई । जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक रामआसरे राजपूत,छुन्ना, राम शंकर, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।